जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

5 अ

जैन विद्या - भाग - 5

(जैन तत्त्व विद्या खण्ड-1)

समय : 3 घण्टे | प्रश्न पत्र : प्रथम | पूर्णांक 100

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें- (कोई दस) 10×1=10

1. पांच अनुत्तर विमानों के नाम लिखो।
2. कौन से गुणस्थान में केवलज्ञान प्राप्त होता है?
3. छः लेश्या में प्रशस्त व अप्रशस्त कौनसी है?
4. द्रव्येन्द्रिय के दो प्रकार कौन से हैं?
5. नो संज्ञी-नो असंज्ञी किसे कहते हैं?
6. वेद का अस्तित्व आत्म विकास की किस भूमिका तक है?
7. स्थावर प्राणी में कितने योग होते हैं?
8. महात्मा कौन सा भाव है?
9. भय, शोक, जुगुप्सा किसके हेतु हैं?
10. सही तत्त्व को समझ लेने के बाद भी गलत तत्त्व को पकड़कर रखना कौनसा मिथ्यात्व है?
11. मेढ़े के सींग के समान कौनसा कषाय है?

(B) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (कोई दस) 10×3=30

1. क्षायिक भाव किसे कहते हैं?
2. चारों गति के जीव मरकर वापस किस-किस गति में जा सकते हैं?
3. कार्मण शरीर किसे कहते हैं?
4. श्रुत ज्ञान किसे कहते हैं?
5. मनः पर्यव ज्ञान की भांति मनः पर्यव दर्शन क्यों नहीं होता?
6. भाव और विचार एक है या अलग-अलग तत्त्व, कैसे?
7. नरक के जीवों को कितने प्रकार की वेदना होती है?
8. छठे गुणस्थान का नाम लिखते हुए उसे परिभाषित करें।

9. प्रत्याख्यान कषाय के उदाहरण बतायें।

10. चारित्र का संबंध कषाय के किन प्रकारों से है?

11. साकार उपयोग कितने हैं? नाम लिखें।

(C) निम्न में से पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 5×4=20

1. प्राण और पर्याप्ति का क्या अर्थ है कौनसे प्राण का संबंध किस पर्याप्ति से है?

2. भावेन्द्रिय के प्रकारों का वर्णन करें।

3. आठवें, नवमें गुणस्थान को समझाएं।

4. संज्ञी, असंज्ञी, नोसंज्ञी, नोअसंज्ञी किसे कहतें हैं? इस विभाग में कौनसे जीव आते हैं?

5. किस गुणस्थान में कौनसा चारित्र पाया जाता है? पांच चारित्र कौनसा भाव है?

6. अव्यवहार राशि की संक्षिप्त व्याख्या करें।

(D) किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर में अंतर लिखें- 4×5=20

1. अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व-अनायोगिक मिथ्यात्व

2. सिद्ध - संसारी

3. औदारिक शरीर - वैक्रिय शरीर

4. भव्य - अभव्य

5. द्रवेन्द्रिय - भावेन्द्रिय

(E) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें- 2×10=20

1. पाँच चारित्र की विस्तृत व्याख्या करें। ये कौनसे भाव है तथा किस-किस गुणस्थान में होते हैं?

2. कषाय से होने वाले अभिघात के कितने प्रकार है-विस्तार से लिखें।

3. पर्याप्ति का अर्थ बताते हुए, पर्याप्ति के बंध और कार्य का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।